सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंक 115 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार 1 जून, 2026

मूल्य ₹ 3/-

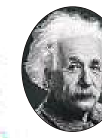

जब आप एक लड़की के साथ बैठे हों तो एक घंटा एक सेकंड के समान लगता है। जब आप धधकते अंगारे पर बैठे हों तो एक सेकंड एक घंटे के समान लगता है। यही सापेक्षता है।

-अल्बर्ट आइंस्टीन

आरसीबी लगातार दूसरी बार... 7 | पंजाब में स्थानीय निकाय चुनाव में... 3 | थाने और तहसील से यूपी में... 2

पश्चिम बंगाल में टीएमसी नेताओं के लिए लॉकडाउन

अभिषेक बनर्जी के बाद कल्याण बनर्जी पर अटैक

» राहुल-अखिलेश समेत तमाम नेताओं ने जाहिर की चिंता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सत्ता बदली, सिस्टम नहीं? सड़क पर सियासत और लोकतंत्र के बीच छिड़ी नई जंग। चुनाव से पहले तक पश्चिम बंगाल में जो लोकतंत्र की हत्या का आरोप लगाते थे आज उन पर लोकतंत्र की पोस्टमार्टम रिपोर्ट लिखने का आरोप लग रहा है। सवाल उठ रहे है कि क्या पश्चिम बंगाल में इतिहास एक बार फिर दोहराया जा रहा है? चाल चरित्र और चेहरा का दावा करने वाली बीजेपी सरकार भी उसी रूट पर चल रही है जिस पर वहां की पूर्ववर्ती सरकारों को चलने का आरोप लगता आ रहा है।

कांग्रेस को लेफ्ट ने, लेफ्ट को टीएमसी ने और टीएमसी को बीजेपी ने टेकओवर किया है और जो आरोप पहले कभी लेफ्ट पर कांग्रेस लगाती थी आज वैसा ही सबकुछ आन कैमरा दिखाई दे रहा है। सरकार इसे जनआक्रोश का नाम दे रही है तो विपक्ष इसे लोकतंत्र की हत्या करार दे रहा है। टीएमसी में सेकेंड लीड पोजिशन पर काम कर रहे अभिषेक बनर्जी को सरेराह दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया। उसके बाद कल्याण बनर्जी को पत्थर से मारा गया? यही नहीं टीएमसी कांग्रेस के दफ्तरों को आग के हवाले कर देना और आम कार्यकर्ताओं के बीच दो-दो हाथ की अनगित घटनाएं सरकार गठन के बाद से आ रही है। ऐसे में पश्चिम बंगाल को लेकर राजीनतिक गलियारों में तरह-तरह की बातें की जा रही है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव समेत विपक्षी नेता इसे लोकतंत्र की हत्या करार दे रहे हैं।

बाहर निकलने से बचें टीएमसी नेता : दिलीप घोष

पश्चिम बंगाल में टीएमसी नेताओं पर हुए कथित हमलों को लेकर सियासत गरमा गई है। राज्य सरकार में मंत्री दिलीप घोष ने टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी और अभिषेक बनर्जी पर हुए हमलों को लेकर विपक्ष के आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि टीएमसी नेताओं के प्रति जनता में नाराजगी है और पार्टी के नेताओं को कुछ दिन बाहर नहीं निकलना चाहिए। कल्याण बनर्जी पर हुए हमले को लेकर दिलीप घोष ने कहा कि वह हमेशा ड्रामा करते रहते हैं। संसद में भी वे ड्रामा करते हैं। इतने वरिष्ठ नेता, वकील और सांसद हैं, लेकिन उनके व्यवहार को लेकर हमेशा शिकायतें प्राप्त होती रही हैं। उनकी ही पार्टी की महिला नेता उन पर आरोप लगा रही हैं। उनकी शिकायत लोकसभा स्पीकर से भी की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि उनके प्रति जनता में आक्रोश है। इसका ध्यान रखते हुए उन्हें फिलहाल बाहर नहीं जाना चाहिए। यह उनकी सुरक्षा के लिए है। इस तरह का ड्रामा उन्हें शोभा नहीं देता। वह अपने सिर को रगड़ रहे थे, लेकिन इसके बाद भी खून नहीं निकाल पाए।

बंगाल के सामने भी खड़ी है चुनौती

आने वाले वर्षों में जनता सिर्फ यह नहीं देखेगी कि सरकार ने कितनी सड़कें बनाईं, कितने उद्योग लगाए या कितनी योजनाएं शुरू कीं। जनता यह भी देखेगी कि क्या राजनीतिक असहमति को सम्मान मिला, क्या विपक्ष को बोलने का अधिकार मिला और क्या लोकतंत्र की वह आत्मा बची रही जिसके दम पर सत्ता परिवर्तन संभव हुआ।

अगर जनता ने नकार दिया है तो फिर ममता से इतना डर क्यों?

यही वह सवाल है जो आज पश्चिम बंगाल की राजनीति की छाती पर हथौड़े की तरह बज रहा है। भाजपा कह रही है कि जनता ने टीएमसी को सत्ता से बेदखल कर दिया। जनता ने परिवर्तन के नाम पर नया जनादेश दिया है जनता ने ममता युग का अंत कर दिया। ठीक है अगर ऐसा ही है तो फिर हर दूसरे दिन ममता बनर्जी भाजपा के निशाने पर क्यों दिखाई देती हैं? अगर टीएमसी खत्म हो चुकी है तो उसके हर बयान से सत्ता के गलियारों में हलचल क्यों मच जाती है? अगर जनता ने विपक्ष को नकार दिया है तो फिर विपक्ष की हर रैली हर प्रदर्शन और हर प्रेस कॉन्फ्रेंस को इतनी गंभीरता से क्यों लिया जा रहा है? राजनीति का सबसे बड़ा सच यह है सरकार उसी से डरती है जिसमें अभी भी जनता के बीच लौटने की ताकत बची हो। यही वजह है कि सत्ता गंवाने के बाद भी ममता बनर्जी बंगाल की राजनीति के केंद्र में बनी हुई हैं। क्योंकि न उनके तेवर बदले हैं। न उनकी भाषा बदली है और न ही उनका संघर्ष खत्म हुआ है। कल तक जिन सरकारी फाइलों पर उनके दस्तखत चलते थे आज वह सड़कों पर खड़ी होकर उसी सरकार से सवाल पूछ रही हैं जो कभी विपक्ष में बैठकर उनसे सवाल पूछती थी। और शायद यही भाजपा की सबसे बड़ी राजनीतिक परेशानी है। क्योंकि चुनाव में किसी दल को हराना आसान होता है लेकिन उसकी राजनीतिक प्रासंगिकता खत्म करना सबसे मुश्किल काम होता है। पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बन चुकी है लेकिन ममता अभी भी मुद्दा बनी हुई हैं। भाजपा सत्ता में है लेकिन ममता अभी भी सुर्खियों में हैं। भाजपा के पास प्रशासन है लेकिन ममता के पास अभी भी आंदोलन की राजनीति का अनुभव है। यही वजह है कि बंगाल की लड़ाई अब सिर्फ सत्ता की लड़ाई नहीं रह गई है। यह उस राजनीतिक विरासत की लड़ाई बन गई है जिसमें एक पक्ष कहना चाहता है कि युग बदल चुका है जबकि दूसरा पक्ष हर दिन यह साबित करने की कोशिश कर रहा है कि कहानी अभी खत्म नहीं हुई। और यहीं सबसे बड़ा सवाल जन्म लेता है कि अगर टीएमसी वाकई खत्म हो चुकी है तो फिर उसके नेताओं पर गुस्सा इतना ज्यादा क्यों दिखाई दे रहा है? अगर ममता का अध्याय बंद हो चुका है तो फिर उनका नाम आज भी बंगाल की राजनीति में सबसे ज्यादा चर्चा क्यों पैदा करता है? क्योंकि राजनीति में सबसे खतरनाक नेता वह नहीं होता जो सत्ता में बैठा हो सबसे खतरनाक वह होता है जो सत्ता से बाहर होकर भी सत्ता को बेचैन कर रहा हो।

सिब्बल पर भी भड़के बीजेपी नेता

सांसदों पर हुए हमले पर कपिल सिब्बल की प्रतिक्रिया पर उन्होंने कहा कि मैं कपिल सिब्बल से कहता हूं कि आइए, पश्चिम बंगाल। रास्ते के किनारे कहीं बैठकर चाय पीजिए। देखिए, बंगाल के लोग किस तरह आपका स्वागत करते हैं। इन लोगों का समर्थन मत कीजिए। उन्होंने कहा कि क्या वह कभी चाय की दुकान पर बैठे हैं? या गांधी परिवार के पीछे घूमते-घूमते ही जिंदगी बिता देंगे। सांसदों पर हुए हमले पर मदन मित्रा ने कहा कि इसको लेकर पूरे देश में प्रदर्शन होना चाहिए। इस पर दिलीप घोष ने कहा कि मैं मदन मित्रा से कहना चाहता हूं कि अपना भविष्य देखिए। कल्याण बनर्जी की तरफदारी मत करिए। आप वरिष्ठ नेता हैं। जिस तरीके से आप बात कर रहे हैं, कहीं इससे खराब स्थिति आपके साथ न हो जाए। जनता बहुत गुस्से में है, सावधानी से बातचीत कीजिए। हमने आपकी सुरक्षा का ठेका नहीं ले रखा है। टीएमसी के प्रदर्शन पर उन्होंने कहा कि टीएमसी वालों को मान लेना चाहिए कि उनके लिए अभी लॉकडाउन चल रहा है। अभी बाहर निकलना मतलब संघर्ष को बुलावा देना है। घर से बाहर न निकलें, इसी में हित है।

बंगाल फिर उसी चौराहे पर खड़ा है

बंगाल की राजनीति एक बार फिर उसी मोड़ पर आकर खड़ी दिखाई दे रही है जहां इतिहास अक्सर खुद को दोहराता रहा है। चेहरे बदलते हैं, नारे बदलते हैं, झंडों के रंग बदलते हैं, लेकिन सत्ता और विपक्ष के बीच संघर्ष की कहानी लगभग वैसी ही बनी रहती है। कभी कांग्रेस ने लेफ्ट पर लोकतंत्र को कुचलने का आरोप लगाया था। फिर लेफ्ट ने टीएमसी पर वही सवाल उठाए। बाद में भाजपा ने ममता सरकार को कठघरे में खड़ा किया। और अब टीएमसी भाजपा सरकार पर लगभग वही आरोप लगा रही है। यही वजह है कि बंगाल की राजनीति को लेकर सबसे बड़ा सवाल किसी एक दल की जीत या हार का नहीं बल्कि राजनीतिक संस्कृति के भविष्य का बन गया है। क्या बंगाल आखिरकार उस दौर से बाहर निकल पाएगा जहां राजनीतिक विरोध को राजनीतिक दुश्मनी समझ लिया जाता है? क्या नई सरकार यह साबित कर पाएगी कि सत्ता परिवर्तन सिर्फ कुर्सी बदलने का नाम नहीं, बल्कि व्यवस्था और राजनीतिक व्यवहार बदलने का भी नाम होता है? क्योंकि लोकतंत्र की असली परीक्षा चुनाव जीतने में नहीं होती। चुनाव तो हर पांच साल में होते हैं। असली परीक्षा उसके बाद शुरू होती है जब यह तय होता है कि सत्ता विपक्ष को प्रतिद्वंद्वी मानती है या दुश्मन। जब यह तय होता है कि आलोचना को अधिकार माना जाएगा या अपराध।

थाने और तहसील से यूपी में हो रहा भ्रष्टाचार: अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले- बेइमानी से चुनाव जीतती है भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का भाजपा व उसकी सरकार पर हमला जारी है। उन्होंने कहा कि भाजपा बेइमानी से चुनाव जीतती है, जिसे स्वीकार करके भाजपा के विधायक ने भ्रष्ट भाजपाई राजनीति का एनकाउंटर कर दिया है। देखते हैं अब इन भाजपा विधायक को पार्टी से निकाला जाता है या भाजपा की ओर से उन्हें अगला मुख्यमंत्री घोषित किया जाता है। इस बार जनता भाजपा की सारी तिकड़म निकाल देगी। भाजपा हारेगी और फिर कभी नहीं आएगी।

अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि थाने और तहसील भ्रष्टाचार के अड्डे बन गए हैं। भाजपा जमीनों पर कब्जे करवा रही है। भूमाफिया, खनन माफियाओं को संरक्षण दे रही है। भाजपा के भूमाफिया ने अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज जैसे धार्मिक स्थलों को भी नहीं छोड़ा। अयोध्या, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, मथुरा आदि जिलों में बड़े पैमाने पर जमीनों पर कब्जा कर लिया है।

सपा ने मनाई अहिल्याबाई होल्कर की जयंती

प्रदेश सपा मुख्यालय पर रविवार को वीरांगना लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 301 वीं जयंती सादगी से मनाई गई। लोकमाता के चित्र पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने माल्यार्पण कर नमन किया। इस अवसर पर राजेंद्र चौधरी ने कहा कि लोकमाता का कुशल शासन, धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार और महिला सशक्तिकरण के लिए किए गए काम भारतीय इतिहास में अमर रहेंगे। इस अवसर पर पूर्व सांसद अरविंद कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

टीएमसी नेता पर हमला निंदनीय

इसी तरह, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने हमले की निंदा की और पुलिस व्यवस्था की कमी के पीछे साजिश का संकेत दिया। उन्होंने कहा, बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के प्रमुख नेता अभिषेक बनर्जी पर जानलेवा हमला करवाकर, बंगाल की अराजक भाजपा सरकार ने साबित कर दिया है कि भाजपा नफरत, नकारात्मक और हिंसक राजनीति के अलावा कुछ नहीं कर सकती। इतने संवेदनशील माहौल में भी पुलिस व्यवस्था की कमी एक बड़ी साजिश की ओर इशारा करती है। यह बेहद निंदनीय है!

प्रतिशोध की राजनीति कर रहा एनडीए: रोहिणी आचार्य

» पिता लालू के साथ वीडियो किया शेयर

» रोहिणी ने 'एक्स' पर लिखा, 'अगर हिम्मत है तो सरकार जबरन बंगला खाली करवाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने अपने पिता के साथ फोटो शेयर कर भावुक मैसेज शेयर किया है। दरअसल रोहिणी आचार्य ने अपने जन्मदिन पर पिता लालू यादव के साथ तस्वीरें और वीडियो शेयर कर खुद को बेहद सौभाग्यशाली बताया और कहा कि घरवालों के होने से जीवन मुकम्मल लगता है।

रोहिणा आचार्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अपने जन्मदिन के इस विशेष दिन को अपने परिवार और अपने आराध्य पापा के साथ मनाकर मैं स्वयं को बेहद सौभाग्यशाली महसूस कर रही हूं जिनके होने से सुकून भरा और मुकम्मल जीवन लगता है, उनके साथ खुशियां साझा करने से घर सच में पूरा जहान लगता है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने रविवार को बिहार की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजद) सरकार पर प्रतिशोध की राजनीति करने का आरोप लगाया. राजग सरकार ने रोहिणी की मां और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को 10, सर्कुलर रोड स्थित वह सरकारी बंगला खाली करने को कहा है, जिसमें वह 2006 से रह रही हैं। रोहिणी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सम्राट चौधरी सरकार 'जनहित के ज्वलंत मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए राजनीतिक प्रतिशोध की राह पर है.' सिंगापुर में अपने पति के साथ रह रहीं रोहिणी ने 'एक्स' पर लिखा, ''अगर हिम्मत है तो सरकार जबरन बंगला खाली करवाए...।

रणदीप सुरजेवाला ने सैनी सरकार पर बोला हमला

» कहा, हरियाणा में अनाज भंडारण व्यवस्था में निजी कंपनियों को पहुंचाया जा रहा फायदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। कांग्रेस महासचिव व सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने केंद्र सरकार पर देश की अनाज भंडारण व्यवस्था को निजी कंपनियों के हवाले करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि तीन कृषि कानूनों को वापस लेने के बावजूद सरकार की नीतियों में बदलाव नहीं आया और अब साइलो (आधुनिक अनाज भंडारण केंद्र) परियोजना के माध्यम से खाद्य सुरक्षा व्यवस्था पर निजी क्षेत्र का नियंत्रण बढ़ाया जा रहा है।

सुरजेवाला ने दावा किया कि वर्ष 2021 में भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से करीब 20 हजार करोड़ रुपये की साइलो परियोजना शुरू की गई थी जिसका उद्देश्य 60 लाख मीट्रिक टन अनाज भंडारण क्षमता विकसित करना था। आरोप है कि परियोजना के अंतिम नियमों से एकाधिकार रोकने वाले प्रावधान हटा दिए गए। इससे दो निजी

कंपनियों को बड़ा लाभ मिला। कांग्रेस नेता के अनुसार वर्ष 22 से 25 के बीच जारी ठेकों में 134 में से 110 साइलो परियोजनाओं के अनुबंध दो कंपनियों को मिले। इससे देश की कुल भंडारण क्षमता का लगभग 78 फीसदी हिस्सा इन्हीं कंपनियों के नियंत्रण में आ जाएगा। कांग्रेस इस नीति का विरोध करेगी और किसानों तथा आम उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए आवाज उठाती रहेगी।

महंगाई की वजह से सादगी से होगा शपथ ग्रहण समारोह: डीके शिवकुमार

» तीन जून को भव्य आयोजन को किया रद्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। डीके शिवकुमार 3 जून को दोपहर 3.30 बजे राजभवन के ग्लास हाउस में कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। यह समय उनके निजी ज्योतिषी की सलाह पर तय किया गया है। राज्य में बढ़ती महंगाई और ईंधन संकट से आम लोगों को हो रही दिक्कतों को देखते हुए कांग्रेस ने विधान सौध पर होने वाले भव्य कार्यक्रम को रद्द कर इसे सादगी से करने का फैसला किया है।

डीके शिवकुमार 3 जून को दोपहर 3.30 बजे राजभवन के ग्लास हाउस में कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। पार्टी नेताओं ने बताया कि यह तारीख और समय डीके शिवकुमार के निजी ज्योतिषी बेलूर द्वारकानाथ से सलाह-मशविरा करने के बाद तय किया गया है। ज्योतिष में गहरी आस्था रखने वाले डीके शिवकुमार को सलाह दी गई थी कि वे उस दिन शाम करीब 4.05 बजे शुरू होने वाले शुभ मुहूर्त में शपथ लें।

इस समय को चुनने की एक वजह यह भी है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और एआईसीसी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी आसानी से इस कार्यक्रम में शामिल हो सकें। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, राज्य में नेतृत्व बदलाव की बातचीत के आखिरी दौर में प्रियंका गांधी ने बहुत अहम भूमिका निभाई है।

इस मौके की बड़ी राजनीतिक अहमियत होने के बावजूद कांग्रेस ने कोई भव्य या बड़ा आयोजन न करने का फैसला किया है। राज्य कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जीसी चंद्रशेखर ने बताया, हमने पहले इस कार्यक्रम को विधान सौध की भव्य सीढ़ियों पर करने का सोचा था, जिसमें 15,000 से 20000 लोग आते। लेकिन बढ़ती महंगाई और ईंधन की कीमतों से लोगों को हो रही दिक्कतों को देखते हुए हमने बड़ा कार्यक्रम रद्द कर दिया।

जनता को रेशानी से बचाने की कोशिश

जीसी चंद्रशेखर ने आगे कहा कि खुद डीके शिवकुमार ने इस बात पर जोर दिया कि कार्यक्रम बिल्कुल साधारण होना चाहिए, जिससे जनता की सेवा के प्रति पार्टी का लगाव दिखे। चूंकि 3 जून को कामकाज का दिन है, इसलिए पार्टी जनता को होने वाली किसी भी तरह की ट्रैफिक जाम या असुविधा से बचाना चाहती।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

एमसीडी की भूमिका पर उठे सवाल

» कोर्ट में एमसीडी ने झूठ न बोला होता तो न होता हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के सैदुल्लाजाब इलाके में साकेत मेट्रो स्टेशन के पास छह मंजिला इमारत ढहने के बाद दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की भूमिका सवालों के घेरे में आ गई है। सबसे बड़ा सवाल उस जवाब को लेकर उठ रहा है जो निगम ने हादसे से महज डेढ़ माह पहले दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल किया था। विपक्षी दलों ने भी इस निशाना साधा है।

13 अप्रैल 2026 को हुई सुनवाई के दौरान एमसीडी ने अदालत को बताया था कि संबंधित इमारत में किसी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं चल रहा है। लेकिन स्थानीय निवासियों का दावा है कि भवन में लगातार निर्माण और बदलाव का काम जारी था। अब इमारत के ढहने और लोगों की जान जाने के बाद निगम के उस दावे की सच्चाई पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सैदुल्लाजाब का मामला पहले भी अदालत तक पहुंच चुका था। सितंबर-25 में इसी क्षेत्र में अवैध निर्माण को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने एमसीडी को कार्रवाई के निर्देश दिए थे। उस समय निगम ने अदालत को बताया था कि नोटिस और ध्वस्तीकरण आदेश जारी किए जा चुके हैं, लेकिन पुलिस सहायता और प्रशासनिक कारणों से कार्रवाई पूरी नहीं हो सकी। अदालत ने तब अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी नाराजगी जताई थी और पूछा था कि उनकी निगरानी में अवैध निर्माण कैसे खड़े हो रहे हैं। हादसे वाली इमारत को लेकर भी कई सवाल सामने आ रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार भवन की ऊपरी मंजिलों पर निर्माण गतिविधियां और बदलाव लगातार किए जा रहे थे। वहीं कुछ हिस्सों में कोचिंग सेंटर, कार्यालय और कैंटीन जैसी व्यावसायिक गतिविधियां भी संचालित हो रही थीं। इसके बावजूद यदि एमसीडी ने अदालत को बताया कि मौके पर कोई निर्माण कार्य नहीं चल रहा था, तो यह जांच का महत्वपूर्ण विषय बन सकता है।

पंजाब में स्थानीय निकाय चुनाव में छाई आप

विस चुनाव-27 से पहले दिखाई मान ने ताकत

- » कई जगहों पर क्लीन स्वीप
- » कांग्रेस, भाजपा को झटका
- » भाजपा ने नया प्रदेश अध्यक्ष बनाया
- » आप ने उठाए भाजपा पर सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब में स्थानीय निकाय चुनाव में आप ने सबको पीछे छोड़ते अपना दबदबा बना लिया है। इस जीत से आप को आगामी आनेवाले विस चुनाव से पहले बूस्टर डोज मिल गया। अब पार्टी में उत्साह और चरम पर है। आप संयोजक ने उधर गुजरात में अपनी रणनीति पर भी तेजी से काम शुरू कर दिया है। वहीं पंजाब में वापसी की कोशिश में जुटी भाजपा को जहां चुनाव में उतना लाभ नहीं दिख रहा जितना उसकी उम्मीद है।

इस सबके बीच भाजपा के नेता व केंद्रीय मंत्री अपनी एक टिप्पणी की वजह से फंस गए हैं। बता दें ये निकाय चुनाव सभी प्रमुख राजनीतिक दलों – आम आदमी पार्टी, भाजपा, कांग्रेस और एसएडी – के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं, क्योंकि ये 27 के पंजाब विधानसभा चुनावों से पहले हो रहे हैं। पंजाब में आठ नगर निगमों सहित 103 नगर निकायों के चुनावों के लिए मतगणना सुबह 8 बजे शुरू हुई।

64 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ था

अधिकारियों ने बताया कि पंजाब में शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में लगभग 64 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो हिंसा, पत्थरबाजी, झड़पों, राजनीतिक कार्यकर्ताओं पर हमलों और बूथ कैप्चरिंग के आरोपों से प्रभावित रहे। ये स्थानीय निकाय चुनाव सभी प्रमुख राजनीतिक दलों - आम आदमी पार्टी, भाजपा, कांग्रेस और एसएडी - के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं, क्योंकि ये 27 के पंजाब विधानसभा चुनावों से पहले हो रहे हैं।

75 नगर परिषदों और 20 नगर पंचायतों पर हुए चुनाव

आठ नगर निगमों, 75 नगर परिषदों और 20 नगर पंचायतों के चुनाव मंगलवार (26 मई) को हुए थे। इन आठ नगर निगमों में मोहाली, बठिंडा, अबोहर, बरनाला, कपूरथला, मोगा, बटाला और पठानकोट शामिल हैं। कुल 7,555 उम्मीदवार मैदान में थे। सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (आप) ने सबसे अधिक 1,801 उम्मीदवार उतारे, उसके बाद कांग्रेस के 1,5, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 1,316, शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के 1,251 और बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के 96 उम्मीदवार थे। इसके अलावा, स्थानीय निकाय चुनावों में 1,528 निर्दलीय उम्मीदवार भी थे।

भाजपा नेता रवनीत बिट्टू मुश्किल में फंसे, जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल पर एससी आयोग सख्त

पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू द्वारा जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल के मामले में सू-मोटो नोटिस लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संगरूर से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन जसवीर सिंह गढ़ी ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से आयोग के ध्यान में यह

मामला आया है कि केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने अपने धूरी दौरे के दौरान जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया है। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा सोशल मीडिया पर चल रही खबरों और वीडियो लिंक के आधार पर मामले का गंभीर नोटिस लिया गया है। इस संबंध में एसएसपी हेडक्वार्टर, संगरूर के माध्यम से जांच रिपोर्ट एक जून को सुबह नौ बजे तक आयोग के समक्ष पेश करने के निर्देश दिए गए हैं।

ये बहुत संगीन मामला है : केजरीवाल

वहीं अरविंद केजरीवाल ने इस मामले का जिक्र करते हुए कहा, ये बहुत संगीन मामला है। मैंने इस नंबर पे फोन किया। पूछा – क्या आप आईबी से बोल रहे हैं? उसने कहा – हां। मैंने कहा – मैं अरविंद केजरीवाल बोल रहा हूं। आप किस कानून में वेरीफिकेशन कर रहे हो? उसने फोन काट दिया। उसके बाद से फोन नहीं उठा रहे। आम आदमी पार्टी के प्रमुख ने कहा, आईबी ये बताए कि क्या ये उनका नंबर है? आईबी की तरफ से हमारे कार्यकर्ताओं को ऐसे बहुत फोन आते हैं। आप सब लोग भी इस नंबर पर फोन करके पूछे कि किस कानून में एक राज्य से दूसरे राज्य में काम पर जाने वाले नागरिक को आईबी के पास वेरिफिकेशन करवाना होता है? अगली बार जब मैं गुजरात जाऊंगा तो स्वयं आईबी ऑफिस

में जाकर उनसे पूछूंगा। गुजरात के किसी भी कार्यकर्ता को अगली बार आईबी से फोन आए तो उसे सोशल मीडिया पर डाल दे ताकि जनता भी उनसे पूछ सके।

आईबी को लेकर गुजरात में आप का हल्ला बोल

आम आदमी पार्टी के प्रमुख और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुजरात में पार्टी कार्यकर्ता को एक नंबर से बार-बार आईबी के नाम पर फोन आने का मामला उठाया है। उन्होंने कहा कि अगली बार जब वह गुजरात जाएंगे तो स्वयं आईबी ऑफिस में जाएंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गुजरात के किसी भी कार्यकर्ता को अगली बार IB से फोन आए तो उसे सोशल मीडिया पर डाल दें ताकि जनता भी उनसे पूछ सके। अरविंद केजरीवाल ने पार्टी के नेता दुर्गेश पाठक के एक्स पोस्ट को रिपोस्ट किया जिसमें लिखा था, अभी थोड़ी देर पहले गुजरात में काम कर रहे हमारे एक कार्यकर्ता को 9512892492 नंबर से लगातार कॉल आ रहा है। उधर से कह रहे हैं कि वो आईबी से बोल रहे हैं। आकर वेरीफिकेशन करवाओ। दुर्गेश पाठक ने लिखा, क्या ये सही में आईबी का नंबर है? अगर हां तो आईबी बताए कि यदि कोई व्यक्ति इस देश के एक राज्य से दूसरे राज्य में काम करने जाता है तो किस कानून के तहत आईबी में रजिस्ट्रेशन करवाना पड़ता है।

केवल सिंह ढिल्लों के पंजाब अध्यक्ष बनने पर सीएम मान ने कसा तंज

पंजाब में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी केवल सिंह ढिल्लों को सौंपे जाने पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बरनाला में 17-2019 और 24 के चुनावों में कांग्रेस से

पराजित हुए ढिल्लों को बीजेपी अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई। सुनील जाखड़ को मेरी हार्दिक संवेदनाएं। सीएम भगवंत मान ने आगे कहा, ईश्वर रवनीत बिट्टू, मनप्रीत बादल, फतेहजंग बाजवा, तरुण चुघ और अश्वनी शर्मा आदि को इस अपमान को सहने की शक्ति प्रदान करें। बता दें कि इससे पहले बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सुनील जाखड़ के पास थी।

केवल सिंह ढिल्लों ने आप को भी घेरा

इसके साथ ही केवल सिंह ढिल्लों ने आम आदमी पार्टी पर भी हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आप ने पंजाब की जनता से जो वादे किए थे, चार साल बाद भी वे सभी वादे अधूरे हैं, बंगाल के बाद अब पंजाब में भी सत्ता हासिल करेगी, पंजाब में सभी समुदायों के लोग मिलकर आगे बढ़ेंगे।

चुनाव में बीजेपी शानदार प्रदर्शन करेगी: ढिल्लों

वर्तमान समय में वे पंजाब बीजेपी के उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। हालांकि केवल सिंह ढिल्लों ने अपने राजनीतिक सफर का आगाज कांग्रेस से किया था। वो 7 और 12 में बरनाला से चुनाव जीतकर विधायक बने थे। पंजाब बीजेपी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने के बाद केवल सिंह ढिल्लों ने दावा किया कि 27 में होने वाले चुनाव में उनकी पार्टी शानदार प्रदर्शन करेगी।

केवल सिंह ढिल्लों बरनाला से दो बार कांग्रेस विधायक रह चुके

बरनाला से दो बार कांग्रेस विधायक रह चुके केवल सिंह ढिल्लों 22 में बीजेपी में शामिल हुए थे और बाद में उन्हें पार्टी की पंजाब इकाई का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्हें पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ बीजेपी नेता अमरिंदर सिंह का करीबी माना जाता है, उन्होंने 24 में बरनाला सीट से उपचुनाव भी लड़ा था। राज्य में उनकी पहचान एक विकासवादी नेता के तौर पर होती है, जो विकास से संबंधित किसी भी कार्य के साथ समझौता नहीं करता है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

दुनिया एक गांव, एक गलती सब बिखर जाएगा

"सीधी सी बात है जब आवागमन महंगा होगा चाहे वह आम आदमी, सार्वजनिक क्षेत्र या लोजिस्टिक का हो तो उसका सीधा सीधा वस्तुओं और सेवाओं पर पड़ेगा ही। यही कारण है ईंधन यानी तेल के भावों में बढ़ोतरी के साथ ही वस्तुओं और सेवाओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं।"

आज विश्व एक वैश्विक गांव बन गया है। मतलब दुनिया का हर एक कोना एक दूसरे से संचार क्रांति से जुड़ा है। इसलिए कहीं भी कोई समस्या होती है उसका असर दुनिया के हर देश पर पड़ता है। आज की दुनिया आइसोलेट दुनिया नहीं है। एक देश की दूसरे देश पर निर्भरता बढ़ी है। कहीं से ईंधन के लिए तो कहीं से खाद्यान्न, कहीं दवा, कहीं अन्य किसी वस्तु के लिए निर्भरता बढ़ी है। युद्ध के चलते इंटरनेशनल लोजिस्टिक सेवाएं प्रभावित हुई है। जहां तक देश की ही बात की जाएं तो पेट्रोल, डीजल, एलपीजी आदि के कीमत में बढ़ोतरी का व्यापक प्रभाव पड़ने लगा है। सीधी सी बात है जब आवागमन महंगा होगा चाहे वह आम आदमी, सार्वजनिक क्षेत्र या लोजिस्टिक का हो तो उसका सीधा सीधा वस्तुओं और सेवाओं पर पड़ेगा ही। यही कारण है ईंधन यानी तेल के भावों में बढ़ोतरी के साथ ही वस्तुओं और सेवाओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं। इसके साथ ही आयात पर निर्भर वस्तुओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं। जहां तक तेल का प्रश्न है देश में खाद्य तेल और अखाद्य तेल दोनों ही प्रभावित हो रहे हैं।

खाद्य तेलों में भी आयात पर निर्भरता अधिक है। लाख प्रयासों के बावजूद तिलहन मिशन से तिलहनों का उत्पादन तो बढ़ा है पर अभी विदेशी निर्भरता बनी हुई ही है। इसी तरह से अन्य वस्तुओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं। जहां तक सेवा क्षेत्र का प्रश्न है स्वीगी-जोमेटो आदि सेवा प्रदाताओं ने पिछले दिनों में अपने दामों में 16 फीसदी से भी अधिक की बढ़ोतरी कर दी है। मोबाइल सेवा प्रदाताओं ने प्लानों को रिवाइज किया हैं तो उबेर-ओला जैसे सेवा प्रदाताओं ने किराया बढ़ा दिया है। हो तो यहां तक रहा है कि बैंकों द्वारा जमाओं पर ब्याज दर में कमी लाना शुरु कर दिया है। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि लोजिस्टिक लागत बढ़ेगी तो उसका असर सभी वस्तुओं में देखने को मिलेगा। भारत सरकार वेनेजुएला से वैकल्पिक तरीके से कच्चे तेल लाने का प्रयास कर रही है तो अन्य विकल्प भी खोजे जा रहे हैं। पर यह साफ हो जाना चाहिए कि कच्चे तेल की आपूर्ति जब तक सामान्य नहीं हो जाती तब तक पूरी तरह से संकट समाप्त होने की कल्पना नहीं की जा सकती। इन वैश्विक हालातों के पीछे अमेरिका-ईरान की हठधर्मिता ही है। अमेरिका-इजरायल ने ईरान से लड़ाई शुरु करते समय रुस यूक्रेन युद्ध के हालातों से सबक नहीं लिया। रुस के सामने यूक्रेन पिद्दी सा देश होने के बावजूद आज तीन साल से भी अधिक समय होने के बावजूद निर्णायक स्तर पर नहीं पहुंचा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

शहरी बुनियादी ढांचा पर्यावरण अनुकूल व मानवीय बने

पंकज चतुर्वेदी

जेठ की तपती दोपहरी में जब पारा 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है, तो महानगरों की आलीशान इमारतों के पीछे छिपा एक डरावना और कड़वा सच बाहर आने लगता है। दिनभर की हाड़-तोड़ मेहनत और चिलचिलाती धूप का सामना करने के बाद जब एक आम कामकाजी इंसान शाम को अपने घर लौटता है, तो उसे कुछ पल के सुकून और चैन की नींद की उम्मीद होती है। लेकिन आधुनिकता और अनियंत्रित विकास के दौर में हमारे महानगर रहने लायक ठिकाने कम और 'तपते तवे' अधिक बन चुके हैं। बुनियादी ढांचे का चरमराना, 'अर्बन हीट आइलैंड' का बढ़ता प्रभाव, पानी का गंभीर संकट और उस पर से बेहिसाब बिजली कटौती ने इंसान के जीवन को एक दु:स्वप्न में बदल दिया है। संकट अब शारीरिक थकावट या पसीने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमें गंभीर रूप से शारीरिक व मानसिक रूप से बीमार बना रहा है।

मान्यता है कि सूर्यास्त के बाद धरती ठंडी होती है और रातें सुकून देती हैं। लेकिन हमारे महानगरों में यह प्राकृतिक चक्र पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है, जिसका मुख्य कारण 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव है। जब किसी शहर में पेड़-पौधों, तालाबों और खुली जमीनों को बेरहमी से खत्म करके वहां डामर की सड़कें, कंक्रीट की बहुमंजिला इमारतें और कांच के शीशों से ढके टॉवर खड़े कर दिए जाते हैं, तो वे दिनभर सूरज की भीषण गर्मी को अपने भीतर सोख लेते हैं। रात के समय, जब तापमान कम होना चाहिए, ये कंक्रीट के ढांचे उस सोखी हुई गर्मी को वापस वातावरण में छोड़ना शुरू करते हैं। 'सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट' के वैज्ञानिक अध्ययन पुष्टि करते हैं कि महानगरों में रात का तापमान ग्रामीण या खुले इलाकों की तुलना में 5 से 7 डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज हो रहा है। इसका सीधा अर्थ यह है कि महानगरों में रातें अब दिनों से भी ज्यादा भारी और उमस भरी हो रही हैं। इस भयंकर रात की उमस में जब 'पावर कट' या बिजली कटौती का झटका लगता है, तो नागरिक पूरी तरह असहाय हो जाता है। इन्वर्टर कुछ घंटों में दम तोड़ देते हैं, पानी की मोटरें शांत हो जाती हैं और हवा का नामोनिशान मिट जाता है।

आईसीएमआर और विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्टें सचेत कर रही हैं कि अत्यधिक गर्मी और लगातार अधूरी नींद इंसानी शरीर के भीतर तापमान नियंत्रित करने की क्षमता को नष्ट कर देती है। जब लगातार कई दिनों तक इंसान की नींद पूरी नहीं होती, तो शरीर

में तनाव बढ़ाने वाला हार्मोन 'कोर्टिसोल' अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगता है। यही कारण है कि लोग 'एक्यूट' यानी गंभीर और अचानक उभरने वाली बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। बड़े शहरों के सरकारी अस्पतालों की आपातकालीन ओपीडी के आंकड़े बताते हैं कि मई-जून के महीनों में हीट स्ट्रोक, अचानक ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्रेन स्ट्रोक, गंभीर डिहाइड्रेशन और किडनी फेलियर के मामलों में एक-तिहाई से ज्यादा की वृद्धि देखी जा रही है। संकट का सबसे भयावह और मूक पहलू महानगरों में मानसिक रोगियों की बढ़ती फौज है। गर्मी और बिजली संकट को अक्सर हम केवल एक भौतिक या प्रशासनिक समस्या मानते हैं, लेकिन यह सीधे तौर पर हमारी मानसिक सुदृढ़ता पर हमला कर रहा है। 'द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ' में प्रकाशित एक शोध के अनुसार, तापमान में प्रति एक डिग्री सेल्सियस की वृद्धि से मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और अवसाद के मामलों में दो प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी होती है। लगातार अनिद्रा और शारीरिक कष्ट के कारण लोग गंभीर चिड़चिड़ेपन, घबराहट और क्रॉनिक फटीग सिंड्रोम का शिकार हो रहे हैं। अत्यधिक गर्मी से उसकी मानसिक सहनशीलता समाप्त हो जाती है। महानगरों में घरेलू हिंसा, सड़कों पर मामूली बात पर होने वाली 'रोड रेज' की हिंसक घटनाएं और दफ्तरों में कर्मचारियों के बीच बढ़ते टकराव के पीछे इस 'थर्मल स्ट्रेस' का बहुत बड़ा हाथ है। मनोचिकित्सकों के अनुसार, इन दिनों ओपीडी में आने वाले हर पांचवें मरीज में अनिद्रा और गर्मी जनित मानसिक तनाव मुख्य कारण बनकर उभर रहा है। यह स्थिति हमारी नीतिगत विफलताओं का आईना है। गर्मियों के ं में महानगरों के उपनगरों और रिहायशी सोसायटियों में हाहाकार मचा रहता है।

ट्रांसफार्मर फुंकने और केबल जलने की घटनाएं आम हैं क्योंकि बिजली के बुनियादी ढांचे पर क्षमता से अधिक लोड है। हर कोई अपनी जान बचाने के लिए एसी और कूलर चलाने को मजबूर है, लेकिन हमारा वितरण ग्रिड इस मांग को संभालने में सक्षम नहीं है। ऐसे में अमीर वर्ग तो भारी-भरकम डीजल जनरेटरों के सहारे कुछ राहत पा लेता है, जो खुद प्रदूषण बढ़ाकर हवा को और गर्म करते हैं, लेकिन मध्यम और निम्न वर्ग के लोग कंक्रीट के छोटे-छोटे कमरों में 'तंदूर' की तरह पकने को मजबूर है।

बेटी पढ़ा तो लीं मगर बचाएं कैसे?

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों से त्विशा शर्मा का केस चर्चा में है। एक दिन में ही अखबारों के कुछ शीर्षक देखिए-संदिग्ध हालत में महिला की मौत। त्विशा-दीपिका की मौत ने दिखाया आईना। विनोद नगर में संदिग्ध हालत में विवाहिता की मौत आदि-आदि। ऐसी खबरें रोज आती हैं। एक महिला कमांडो तक की पीट-पीटकर हत्या की जा चुकी है। एनसीआरबी के 2024 के आंकड़ों की मानें, तो दहेज हत्या के मामलों में दिल्ली सबसे आगे फिर उत्तर प्रदेश, बिहार और कर्नाटक का नम्बर है। पिछले कुछ सालों से तो लगता था कि अब देश में बहुत बदलाव हो गया है। शादियां समानता के आधार पर हो रही हैं। इसका बड़ा कारण लगता कि चूंकि लड़कियां पढ़-लिख गई हैं, तो वे स्वयं भी ऐसे युवकों से विवाह करने से मना कर देती हैं, जिनके परिवार उन्हें अपने अनुकूल नहीं लगते। ऐसे बहुत से विवाह होते भी देखे हैं।

आसपास ऐसे कई परिवार भी रहते हैं, जहां लड़कियां विवाह के बाद संयुक्त परिवारों में रहती हैं, कोई लड़ाई-झगड़ा भी दिखाई नहीं देता। लेकिन अब सोचती हूं कि जो दिखता है, वही सच नहीं होता। उसके पीछे भी बहुत कुछ छिपा रहता है। अक्सर हम मध्यवर्ग के लोग हर बात अशिक्षा से जोड़ देते हैं कि फलां ने ऐसा इसलिए किया होगा कि परिवार शिक्षित नहीं था। उसकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। लेकिन त्विशा के मामले पर नजर डालें, तो उसके ससुराल में सब पढ़े-लिखे थे। सास रिटायर्ड जज, पति आपराधिक मामलों का वकील। फिर भी जब इस लड़की ने आत्महत्या कर ली, तो इसकी पहली सूचना उसके परिवार वालों को नहीं दी गई, बल्कि सास अपने जान-पहचान वालों से बातचीत करती रही। छियालीस फोन किए गए। एम्बुलेंस और पुलिस को फोन नहीं किया गया। यही नहीं सास ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके जो आरोप लगाए, वे, वे ही थे जिन्हें आम तौर पर लड़कियों के चरित्र हनन के लिए लगाया जाता है। जैसे कि वह ड्रग एडिक्ट थी। एक दिन के लिए घर से बाहर चली गई थी। उसने गर्भपात करा लिया था।

वह खाना नहीं बनाती थी। पौधों को पानी नहीं देती थी। शादी से पहले हमारे घर भी आई थी। ऐसे कौन अपने होने वाले ससुराल में आता है। वह अस्सी किलो की थी। उसे सीढ़ियों से उतारना कितना मुश्किल था। मेरा बेटा उससे बहुत प्यार करता था, लेकिन वह गोल्ड डिगर यानी कि पैसे की लालची थी। उसने मुझे दादी होने का सुख नहीं दिया। ये बातें कोई ग्रामीण स्त्री नहीं कह रही है, एक रिटायर्ड जज कह रही है। सोचिए कि यदि इनके कोर्ट में ऐसे मुकदमे आते होंगे, तो इनका निर्णय क्या होता होगा। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के बहुत से निर्णय कहते हैं कि स्त्री अगर बच्चे को जन्म देना नहीं चाहती, तो उसके फैसले का सम्मान किया जाना चाहिए। शरीर उसका है, उस पर उसी का अधिकार है। यह भी कि आप पत्नी लाते हैं, कोई मेड नहीं कि खाना न बनाना तलाक का कारण बन सके। त्विशा पैसे कमाती थी। नोएडा से भोपाल जाने पर उसके बहुत से काम छूट गए थे। इस पर भी उसे ताने सुनने पड़ते थे। यानी कि एक स्त्री पैसे कमाए, उसे अपने पति के परिवार को सौंप दे। घर का काम करे। खाना बनाए। सबकी सेवा करे।

किसी और से कभी बातचीत तक न करे, नहीं तो उसके चरित्र पर सवाल उठाने का अधिकार, हर ऐरे-गैरे नत्थू खैरे को मिल जाएगा। कई वकीलों ने कहा भी कि ये आरोप तो स्त्रियों पर सदा से लगते आए हैं। सोचने की बात है कि शादी करते ही आखिर लड़कियों के ऊपर ही सारा बोझ क्यों लाद दिया जाता है। इन दिनों ऐसे वीडियोज और रील्स की भरमार है, जिनमें ऐसा न करने पर पत्नी को पति घर से निकालने और तलाक की धमकी देते पाए जाते हैं। एक तरफ तो ये वीडियोज समाज में फैली असलियत को बताते हैं, मगर दूसरी तरफ बहुत से लोगों को ऐसा करने के लिए प्रेरित भी करते होंगे। आखिर लड़कियां ही क्यों घर से निकाली जाएं। वे ही क्यों तरह-तरह के लांछन झेलें। यदि प्रतिवाद करें, तो मारी जाएं और यदि चुपचाप सहती रहें, तो खुद जान दे दें। ग्रेटर नोएडा में रहने वाली दीपिका के पिता तो कुछ देर पहले ही उससे मिल कर गए थे। और कुछ ही देर में उसकी मौत की खबर आई। उसके भाई ने कहा कि अगर हमने बहन की सुनी होती और उसे घर ले आए होते, तो शायद बहन जिंदा होती। आम तौर पर लड़कियों के घर वालों की यही कहानी होती है।

जो समाज उनकी परेशानियों में कभी कोई हिस्सा नहीं बंटाता, इस डर से कि लोग क्या कहेंगे, परिवार अपनी ही लड़कियों को वधिकों के हाथों छोड़ देते हैं। अपनी लड़कियों को ही सहने और एडजेस्ट करने की सीख देते हैं। आपकी लड़की की जान चली जाती है, समाज का कुछ नहीं जाता। त्विशा भी अपनी मां को बताती रही कि वह गलत जगह फंस गई है, लेकिन उसकी मां उससे कहती रही कि अपनी सास से बात करो। सब ठीक हो जाएगा। इन दोनों लड़कियों और इन जैसी बहुत-सी स्त्रियों की जान चली जाती है। यह बात भी महसूस होती है कि लड़कियां जैसे ही किसी घर की बहू बनती हैं, किसी की पत्नी कहलाती हैं, उनका जीवन गिरवी रख दिया जाता है। वे हमेशा किसी न किसी से दया मांगती रहें। एक ऐसा ऑडियो भी सामने आया है जिसमें त्विशा के भाई से बात करते हुए उसकी सास उसके चरित्र पर शक कर रही है। यह सास फिल्मों वाली ललिता पंवार नहीं हैं, लेकिन बहू की मौत पर मजाल है कि एक आंसू भी आया हो। बहू का मरना भी कोई मरना होता है।

कच्चे आम की घर पर बनाएं खट्टी-मीठी लौंजी

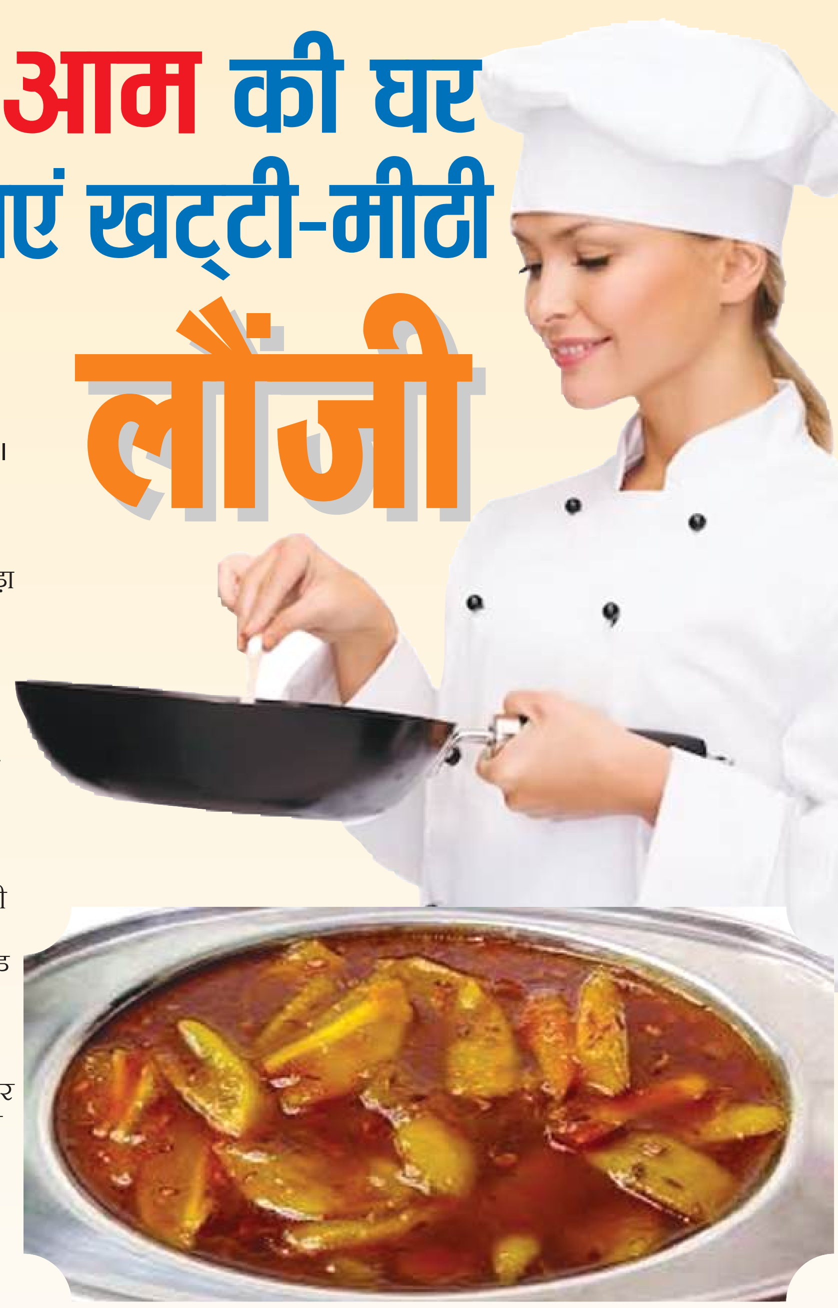

फलों का राजा आम खाने में काफी स्वादिष्ट होता है। शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा, जिसे आम खाना पसंद न हो। गर्मी के मौसम में आपको बाजार में दशहरी, चौसा, सिंदूर, चुस्वा, आमरपाली, लंगड़ा समेत कई प्रकार की वैरायटी के आम मिलते हैं। इन सभी का स्वाद काफी अलग होता है। गर्मी के मौसम में ही कच्चे आम भी बाजार में मिलते हैं, जिनसे कई प्रकार के अचार बनाए जाते हैं। कच्चे आम से एक ऐसी डिश भी बनती है, जो खाने में खट्टी-मीठी होती है। इस साइड डिश को बनाकर आप अपने फ्रिज में स्टोर करके रख सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी घर पर कच्चे आम की मदद से कुछ स्वादिष्ट बनाने का सोच रहे हैं तो आम की लौंजी या फिर आम का गलका एक बेहतर विकल्प है।

सामग्री

कच्चे आम- 2-3, सरसों का तेल, सौंफ- 1 टीस्पून, मेथी दाना- 1/2 टीस्पून, हींग- 1 चुटकी, हल्दी पाउडर- 1/2 टीस्पून, लाल मिर्च पाउडर- 1 टीस्पून, गुड़, नमक- स्वादानुसार, काला नमक- 1/2 टीस्पून, धनिया पाउडर- 1 टीस्पून।

विधि

कच्चे आम की लौंजी बनाने के लिए सबसे पहले कच्चे आम को धोकर छील लें और इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर इसकी गुठली हटा लें। इसके बाद एक कड़ाही में सरसों का तेल गरम करें। तेल गरम होने पर उसमें सौंफ और मेथी दाना डालें। मसाले चटकने के बाद इसमें थोड़ी सी हींग डालें। जब मसाला तैयार हो जाए तो कड़ाही में कटे हुए कच्चे आम डालें। अब इसे अच्छी तरह से मिक्स करें। आम को अच्छी तरह से चलाने के बाद कड़ाही में हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, और धनिया पाउडर डालें। अब इन सभी चीजों को अच्छी तरह से चलाते हुए भूनना है। इसके बाद कड़ाही में गुड़ डालें और इसे पिघलने का इंतजार करें। जब ये पिघल जाए तो थोड़ा सा पानी डालकर इसे धीमी आंच पर पकने दें। जब आम पूरी तरह से नरम हो जाएं और मसाले अच्छी तरह से मिल जाएं तो इसमें नमक और काला नमक डालें। आखिर में दो मिनट के लिए इसे अच्छी तरह से चलाएं और फिर गैस बंद कर दें। आम की ये लौंजी तैयार है, इसे आप पराठे के साथ परोस सकते हैं। इसके साथ ही इसे फ्रिज में स्टोर करके रख लें।

पोहे से तैयार करें स्वादिष्ट इडली

दक्षिण भारत के खाने का स्वाद पूरे देश में फैला हुआ है। जब भी हेल्दी खाने का जिक्र होता है तो उसमें दक्षिण भारत के खाने को लोग प्राथमिकता देते हैं। खासतौर पर इडली और डोसा तो ज्यादातर लोग बड़े ही चाव से खाते हैं। बड़े-बड़े सिलेब्रिटी भी नाश्ते में डोसा या इडली खाना पसंद करते हैं। इसे बनाना जितना आसान है, उतना ही ये खाने में स्वादिष्ट लगती है। अगर इसे पारंपरिक तरह से बनाया जाए तो इसके लिए आपको उड़द की दाल और चावल की जरूरत पड़ेगी, लेकिन अगर आप इंस्टेंट इडली बनाना चाहते हैं तो इसके लिए आप पोहा इस्तेमाल करके इडली तैयार कर सकते हैं। पोहे की इडली बनाना भी काफी आसान है, बल्कि ये दाल-चावल की इडली से सरल पड़ेगी।

सामग्री

पोहा - 1 कप, सूजी - 1 कप, दही- 1 कप, नमक - स्वादानुसार, ईनो - 1 छोटा चम्मच, तेल (सांचे में लगाने के लिए)।

विधि

पोहे से इडली बनाने के लिए सबसे पहले पोहे को अच्छे से धो लें और लगभग 10 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इसके बाद इसे पानी से निकालकर पोहे को पीसकर एक गाढ़ा पेस्ट बना लें। पोहे का पेस्ट तैयार करने के बाद एक बड़े बर्तन में इसे लेकर इसमें सूजी और दही को मिलाएं। इस मिश्रण को अच्छे से मिलाकर एक गाढ़ा बैटर तैयार करें। अगर ये ज्यादा गाढ़ा हो गया है तो इसमें थोड़ा सा पानी मिक्स करें। इस बैटर को 15-20 मिनट के लिए ढककर रख दें, ताकि सूजी अच्छे से फूल जाए। 20 मिनट के बाद बैटर में नमक मिलाएं। अब इडली स्टीमर को तैयार करें। स्टीमर में पानी भरके इसे गैस पर चढ़ा दें, ताकि पानी खौल जाए। इसके साथ ही इडली के सांचे में हल्का-हल्का तेल लगाएं। जब आप इडली स्टीमर तैयार कर लें और पानी उबलने लगे, तब बैटर में ईनो डालें और तुरंत अच्छे से मिलाएं। ईनो डालने के बाद बैटर फूलने लगेगा। अब इडली के हर सांचे में बैटर डालें, लेकिन ध्यान रखें कि सांचे को पूरी तरह से न भरें। अब इसे मध्यम आंच पर 10-15 मिनट तक स्टीम करें। बीच में एक चाकू या टूथपिक इडली में डालकर जांचें। अगर यह साफ निकलता है तो इडली तैयार है। जब इडली तैयार हो जाए तो इसे निकाल कर सांभर के साथ परोसें।

हंसना मना है

डॉक्टर- अब आप खतरे से बाहर है, फिर भी आप इतना क्यों डर रहे हो? मरीज- जिस ट्रक से मेरी दुर्घटना हुई थी, उसपे लिखा था, फिर मिलेंगे।

डॉक्टर- जब आपको पता था, छिपकली आपके नाक में जा रही है, तो आपने रोका क्यों नही? पेशंट- पहले कॉकरोच गया था, मैंने सोचा उसे पकड़ने जा रही होगी।

वाईफ- सुबह मेरे चेहरे पे पानी क्यों डाला? हसबैंड- तेरे बाप ने कहा था, मेरी बेटी फूल की तरह है इसे मुरझाने मत देना।

पप्पू से इंटरव्यू में पूछा गया- बताओ वो कौन सी औरत है जिसको पता होता है की उसका हसबैंड कहा है? पप्पू ने अपना खतरनाक दिमाग लगाया और बोला- विधवा औरत।

पापा- नालायक, तुमने अपनी मम्मी से ऊंची आवाज में बात क्यों की? बेटा- मुझे पता है पापा आपको जलन हो रही है क्योंकि आप ऐसा नहीं कर सकते।

कहानी | सुकर्म का फल सूद सहित मिलता है

इन्सान जैसा कर्म करता है, कुदरत या परमात्मा उसे वैसा ही उसे लौटा देता है। एक बार द्रोपदी सुबह तड़के स्नान करने यमुना घाट पर गयी भोर का समय था। तभी उसका ध्यान सहज ही एक साधु की ओर गया जिसके शरीर पर मात्र एक लंगोटी थी। साधु स्नान के पश्चात अपनी दुसरी लंगोटी लेने गया तो वो लंगोटी अचानक हवा के झोंके से उड़ पानी में चली गयी और बह गयी। संयोगवश साधु ने जो लंगोटी पहनी वो भी फटी हुई थी। साधु सोच में पड़ गया कि अब वह अपनी लाज कैसे बचाए। थोड़ी देर में सुर्योदय हो जाएगा और घाट पर भीड़ बढ़ जाएगी। साधु तेजी से पानी के बाहर आया और झाड़ी में छिप गया। द्रोपदी यह सारा दृश्य देख अपनी साड़ी जो पहन रखी थी, उसमें आधी फाड़ कर उस साधु के पास गयी और उसे आधी साड़ी देते हुए बोली- तात मैं आपकी परेशानी समझ गयी। इस वस्त्र से अपनी लाज ढक लीजिए। साधु ने सकुचाते हुए साड़ी का टुकड़ा ले लिया और आशीष दिया। जिस तरह आज तुमने मेरी लाज बचायी उसी तरह एक दिन भगवान तुम्हारी लाज बचाएंगे। और जब भरी सभा में चीरहरण के समय द्रोपदी की करुण पुकार नारद ने भगवान तक पहुंचायी तो भगवान ने कहा- कर्मों के बदले मेरी कृपा बरसती है, क्या कोई पुण्य है द्रोपदी के खाते में। जांचा परखा गया तो उस दिन साधु को दिया वस्त्र दान हिसाब में मिला, जिसका ब्याज भी कई गुणा बढ़ गया था। जिसको चुकता करने भगवान पहुंच गये द्रोपदी की मदद करने, दुस्सासन चीर खींचता गया और हजारों गज कपड़ा बढ़ता गया।

कहानी से सीख- इंसान यदि सुकर्म करे तो उसका फल सूद सहित मिलता है, और दुष्कर्म करे तो सूद सहित भोगना पड़ता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा। व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में सुकून रहेगा। निवेश लाभप्रद रहेगा। कार्य बनेंगे। घर-बाहर सुख-शांति बने रहेंगे।

वृषभ पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक-ठीक चलेगा। आय में वृद्धि होगी। प्रतिद्वंद्विता रहेगी।

मिथुन मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

कर्क जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी न करें। घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा।

सिंह मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। अपना प्रभाव बढ़ा पाएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कन्या घर-बाहर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। वस्तुएं संभालकर रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

तुला व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। शत्रु सक्रिय रहेंगे।

वृश्चिक आय में निश्चितता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है।

धनु व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। धनार्जन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है।

मकर प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। नई योजना बनेगी।

कुम्भ लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। मातहतों का सहयोग मिलेगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

मीन व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्र व संबंधी सहायता करेंगे। आय बनी रहेगी। जोखिम न लें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें।

अब 5 जून से ओटीटी पर दस्तक देगी संजय दत्त की फिल्म 'केडी द डेविल'

अपने गाने 'सरके चुनर तेरी सरके' को लेकर विवादों में रहने वाली कन्नड़ फिल्म 'केडी द डेविल' सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। यह फिल्म 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, अब एक महीने के बाद फिल्म ओटीटी पर दस्तक देने को तैयार है। केडी द डेविल सिनेमाघरों के बाद अब 5 जून से ओटीटी पर मौजूद रहेगी। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर स्ट्रीम करेगी। जी5 कन्नड़ के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट ने फिल्म का नया ट्रेलर जारी करते हुए लिखा, 'हर कदम पर धूल, हर तरफ खून! शैतान के आगमन की उलटी गिनती शुरू हो गई है। केडी - द डेविल 5 जून से कन्नड़ जी5 पर।'

प्रेम द्वारा निर्देशित 'केडी द डेविल' में ध्रुव सरजा, किच्चा सुदीप, संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी, वी रविचंद्रन, रमेश अरविंद, रेशमा नानाइया, जिस्सू सेनगुप्ता और नोरा फतेही प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने दुनिया भर में 24.19 करोड़ की कमाई की। फिल्म को क्रिटिक्स से भी कोई खास प्रतिक्रियाएं हासिल नहीं हुई थीं। इस साल मार्च में यह फिल्म तब विवादों में घिर गई थी, जब नोरा फतेही और संजय दत्त पर फिल्माया गया गाना सरके चुनर तेरी सरके' रिलीज हुआ।

प्रेम द्वारा कन्नड़ में और रकीब आलम द्वारा हिंदी में लिखे गए इस गाने के बोलों को आपत्तिजनक होने के कारण आलोचना का सामना करना पड़ा। आलोचना के बाद नोरा ने गाने से खुद को अलग कर लिया और दावा किया कि शूटिंग के समय उन्हें गाने का अर्थ नहीं पता था। रकीब आलम ने भी प्रेम द्वारा लिखे गए शब्दों का केवल अनुवाद करने का दावा किया।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म इंडस्ट्री का माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है : शेखर

शेखर सुमन बॉलीवुड में अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने बॉलीवुड के बारे में चौंकाने वाली बातें कही हैं। शेखर ने बताया कि किस तरह से यहां लोगों में जलन की भावना भरी है। इंडस्ट्री का माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है। इसके अलावा भी वह कई और बातें बॉलीवुड के लोगों और सेलेब्स को लेकर शेयर करते हैं। फिल्मफेयर को दिए गए हालिया इंटरव्यू में शेखर सुमन कहते हैं, 'देखिए जब कोई फेल होता है, किसी की फिल्म फ्लॉप होती है, शादी टूटती है तो कुछ लोगों को बहुत अच्छा लगता है। ऐसे लोग दूसरों को सफलता और खुशी देखकर दुखी होते हैं। हम बॉलीवुड में भी एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, यहां पर माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है। शेखर सुमन आगे अपने इंटरव्यू में कहते हैं, 'बॉलीवुड के लोगों में बहुत जलन है। यह सामने पर एक-दूसरे को गले लगाते हैं लेकिन बाद में पीठ में छुरा घोंप देंगे। ये लोग एक-दूसरे की लाश पर चढ़कर आगे बढ़ जाएंगे। यह बहुत दुखी करने वाली बात है। इस कंडीशन के बावजूद शेखर सुमन के मन में बॉलीवुड के लिए बहुत सम्मान है। वह कहते हैं, 'हमारी इंडस्ट्री इसलिए बची है, टिकी है क्योंकि यहां पर अच्छे लोग अब भी बाकी हैं। इस इंडस्ट्री ने ही दिलीप कुमार और अमिताभ बच्चन जैसे स्टार्स हमें दिए हैं।' शेखर सुमन मल्टीटैलेंटेड हैं, एक्टिंग के अलावा एंकरिंग, सिंगिंग, प्रोडक्शन तक में उन्होंने हाथ आजमाया है। साल 2024 में वह एक वेब सीरीज 'हीरामंडी' में दिखे थे। जल्द ही 'द पिरामिड स्कीम' में नजर आएंगे।

कला पर बातचीत करना सही है मजाक उड़ाना नहीं : चारू शंकर

बॉलीवुड | गपशप

अनन्या पांडे की नई फिल्म चांद मेरा दिल को समीक्षकों से अच्छे रिव्यू मिले हैं। अनन्या पांडे को फिल्म में अपने भरतनाट्यम फ्यूजन डांस के लिए सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया जा रहा है। फिल्म में अनन्या की मां का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री चारू शंकर ने उस ट्रोलिंग के बारे में बात की है।

एचटी से बातचीत में चारू शंकर ने कहा, मुझे लगता है कि हर किसी को अपनी राय रखने का हक है, लेकिन ट्रोलिंग कभी भी अच्छे तरीके से नहीं की जाती। कला पर बातचीत करना सही है, मजाक उड़ाना नहीं। जिस सीन पर चर्चा हो रही है, उसे चांदनी के किरदार के लिए एक जोरदार परिचय के तौर पर सोचा गया था। फिल्म की कहानी में, यह पल एक ऐसी युवा महिला के आने का ऐलान करता है जो नियम तोड़ने से नहीं डरती।

अनन्या ने अभी तक इस ट्रोलिंग पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अनन्या के पिता और अभिनेता चंकी पांडे ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। इकोनॉमिक टाइम्स से बात करते हुए उन्होंने अपनी बेटी का बचाव किया और कहा कि लोगों ने इस सीन को पूरी तरह से गलत समझा है। उन्होंने बताया कि इस डांस सीन का मतलब कभी भी सिर्फ भरतनाट्यम होना नहीं था। उन्होंने कहा, यह एक फ्यूजन परफॉर्मेंस थी, जिस तरह का एक्सपेरिमेंटल डांस आप अक्सर कॉलेज के छात्रों को सोशल या कल्चरल इवेंट्स में करते हुए देखते हैं।

चांद मेरा दिल बॉक्स ऑफिस पर औसत बिजनेस कर रही है। खबर लिखे जाने तक इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 19.93 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, चांद मेरा दिल लगभग 30 करोड़ रुपये के बजट में बनी है। इस हफ्ते कोई बड़ी बॉलीवुड फिल्म रिलीज नहीं हो रही है, इसलिए चांद मेरा दिल बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर सकती है।

दुनिया का सबसे जहरीला पक्षी! जिसे छूने से ही जा सकती है जान, देखते ही दूर भागने लगते हैं इंसान

दुनिया में जहरीले जीवों की बात हो तो लोगों के दिमाग में सबसे पहले सांप, मकड़ी या बिच्छू का नाम आता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक ऐसा पक्षी भी मौजूद है, जिसे छूना इंसानों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है? इस अनोखे और बेहद जहरीले पक्षी का नाम है हूडेड पिटोहुई। यह पक्षी मुख्य रूप से न्यू गिनी के जंगलों में पाया जाता है और इसे दुनिया का सबसे विषैला पक्षी माना जाता है। इस पक्षी की खोज 1980 के दशक में वैज्ञानिक जैक डंबाचर ने की थी। वे न्यू गिनी में फील्डवर्क कर रहे थे, तभी उन्होंने पहली बार इस पक्षी को पकड़ा। पक्षी को छूने के कुछ ही देर बाद उन्हें अपने हाथों, आंखों और मुंह में तेज जलन, झुनझुनी और सुन्नपन महसूस होने लगा। शुरुआत में उन्हें समझ नहीं आया कि ऐसा क्यों हो रहा है, लेकिन बाद में जांच में पता चला कि इस पक्षी की त्वचा और पंख जहरीले होते हैं। साल 1992 में प्रकाशित एक रिसर्च में डंबाचर और उनकी टीम ने खुलासा किया कि हूडेड पिटोहुई के शरीर में बैट्राकोटॉक्सिन नाम का खतरनाक जहर पाया जाता है। यही जहर कुछ बेहद जहरीले मेंढकों में भी मिलता है। यह टॉक्सिन पक्षी को शिकारियों और परजीवियों से बचाने में मदद करता है। अगर कोई शिकारी इसे खाने की कोशिश करे, तो उसे गंभीर नुकसान हो सकता है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यह पक्षी खुद अपने शरीर में जहर नहीं बनाता। वैज्ञानिकों के अनुसार, हूडेड पिटोहुई अपनी डाइट से यह जहर हासिल करता है। यह मेलिरिड बीटल्स नाम के जहरीले कीड़ों को खाता है, जिनमें बैट्राकोटॉक्सिन मौजूद होता है। बाद में यही जहर पक्षी की त्वचा और पंखों में जमा हो जाता है। इस पक्षी के चमकीले काले और नारंगी रंग भी खास मकसद पूरा करते हैं। इसे अपोसेमेटिज्म कहा जाता है, यानी ऐसा रंग जो दूसरे जीवों को चेतावनी देता है कि यह खतरनाक हो सकता है। यही वजह है कि न्यू गिनी के स्थानीय लोग इस पक्षी से दूरी बनाकर रखते हैं। वहां के लोग इसे रबिश बर्ड यानी बेकार पक्षी भी कहते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि दुनिया में ऐसे पक्षी बेहद कम हैं, जो आत्मरक्षा के लिए जहर का इस्तेमाल करते हैं। यही कारण है कि हुडेड पिटोहुई आज भी वैज्ञानिकों और वन्यजीव प्रेमियों के लिए रहस्य और हैरानी का विषय बना हुआ है।

अजब-गजब | भारत में है पानी में तैरने वाला अनोखा चर्च

यह चर्च हर 6 महीने में बदलता है अपना रंग

कर्नाटक की हरी-भरी वादियों के बीच एक ऐसी रहस्यमयी जगह मौजूद है, जिसे देखकर पहली नजर में यकीन करना मुश्किल हो जाता है। यह है शेट्टीहल्ली रोजरी चर्च, जो हर मानसून में पानी के बीच अकेला खड़ा दिखाई देता है। चारों तरफ फैला गहरा पानी, टूटी हुई पुरानी दीवारें और सन्नाटे से भरा माहौल इस जगह को किसी हॉलीवुड हॉरर फिल्म जैसा बना देता है। यही वजह है कि लोग इसे फ्लोटिंग चर्च और कर्नाटक का हॉन्टेड चर्च तक कहने लगे हैं। हालांकि, इस चर्च की असली पहचान इसकी डरावनी कहानियों में नहीं, बल्कि इसके शानदार इतिहास और अनोखी खूबसूरती में छिपी है। इस चर्च का निर्माण 1860 के दशक में फ्रांसीसी मिशनरियों ने करवाया था। उस समय यह चर्च इलाके में रहने वाले ब्रिटिश एस्टेट मालिकों और स्थानीय ईसाई समुदाय के लिए प्रार्थना का मुख्य केंद्र हुआ करता था। फ्रेंच गोथिक शैली में बने इस चर्च की ऊंची मेहराबें, पत्थरों पर की गई नक्काशी और बड़ी-बड़ी खिड़कियां इसकी भव्यता को अलग पहचान देती थीं। हेमावती नदी के किनारे बना यह चर्च कभी लोगों की प्रार्थनाओं और धार्मिक गतिविधियों से गुलजार रहता था।

लेकिन 1960 के दशक में इसकी किस्मत पूरी तरह बदल गई। हेमावती बांध बनने के बाद आसपास का इलाका धीरे-धीरे जलाशय में बदलने लगा। पानी का स्तर बढ़ने से गांव खाली कराए गए और लोगों को दूसरी जगह बसना पड़ा। इसी के साथ यह चर्च भी वीरान हो गया। समय के साथ इसकी छत गिर गई, दीवारें टूटने लगीं, लेकिन इसके विशाल खंभे और मेहराब आज भी मजबूती से खड़े हैं।

मानसून के मौसम में यह चर्च आधा पानी में डूब जाता है। दूर से देखने पर ऐसा लगता है मानो कोई पुरानी इमारत झील के ऊपर तैर रही हो। वहीं सर्दियों में पानी कम होने पर लोग पैदल यहां तक पहुंच सकते हैं। यही वजह है कि यह चर्च हर मौसम में अलग रूप दिखाता है। सोशल मीडिया पर इसे लेकर कई भूतिया कहानियां भी सुनने को मिलती हैं। हालांकि, यहां किसी पैरानॉर्मल घटना का कोई पक्का सबूत नहीं मिला। असल में इसका सुनसान माहौल, पानी के बीच खड़ा पुराना ढांचा और धुंध से घिरा दृश्य लोगों को रहस्यमयी एहसास देता है। आज यह जगह ट्रैवलर्स, फोटोग्राफर्स और नेचर लवर्स के लिए खास आकर्षण बन चुकी है। खासकर मानसून के दौरान यहां का नजारा इतना सिनेमैटिक लगता है कि लोग दूर-दूर से इसे देखने पहुंचते हैं। शेट्टीहल्ली रोजरी चर्च सिर्फ एक पुरानी इमारत नहीं, बल्कि इतिहास, रहस्य और प्रकृति का अनोखा संगम है।

रुकावटों को मात देकर अडानी समूह ने पकड़ी और रफ्तार

चेयरमैन गौतम अडानी ने शेयरधारकों से कहा-और तेजी से करेंगे विस्तार

बोले- अमेरिकी कानूनी विवाद अब पीछे छूटे

» एआई आधारित विकास से अभूतपूर्व अवसर पैदा होंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उद्योगपति गौतम अडानी ने कहा है कि अडानी समूह अब अमेरिका में चले कानूनी विवादों को पीछे छोड़ चुका है और ऊर्जा, परिवहन, लॉजिस्टिक्स तथा डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में निवेश की रफ्तार तेज कर रहा है। उनका मानना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित विकास की बढ़ती मांग से इन क्षेत्रों में अभूतपूर्व अवसर पैदा होंगे। शेयरधारकों को लिखे अपने वार्षिक पत्र में अडानी ने कहा कि बीते वर्ष समूह को भारी जांच-पड़ताल और आलोचनाओं का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद विस्तार की योजनाएं नहीं रुकीं।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी कानूनी कार्यवाहियों से जुड़े मामले अब पीछे छूट चुके हैं और समूह नए आत्मविश्वास के साथ विकास के अगले चरण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। अडानी ने समूह की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज द्वारा लाए गए 24,9300 करोड़ रुपये के राइट्स इश्यू को निवेशकों के विश्वास का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि यह उस समय सफल रहा जब समूह को कॉरपोरेट गवर्नेंस और नियामकीय मुद्दों को लेकर सवालों का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने कहा कि दुनिया भले ही अधिक जटिल और विभाजित होती जा रही हो, ऊर्जा सुरक्षा राष्ट्रीय रणनीतियों का केंद्र बन चुकी हो और तकनीक राष्ट्रीय संप्रभुता से जुड़ गई हो, लेकिन अडानी समूह एक विश्वास पर कायम रहा कि भारत का भविष्य इंतजार नहीं कर सकता।

» समूह की कंपनियों का संयुक्त राजस्व 2.92 लाख करोड़ रुपये

कंपनी को रिश्वतखोरी के आरोपों से निकाला बाहर

गौरतलब है कि अडानी समूह को 24 के अंत से अमेरिका में अपनी अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं से जुड़े कथित रिश्वतखोरी के आरोपों को लेकर जांच का सामना करना पड़ा था। समूह ने इन आरोपों को लगातार खारिज किया है। अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन के साथ समझौते के बाद अमेरिकी न्याय विभाग ने गौतम अडानी और अन्य आरोपियों के खिलाफ सभी आरोप वापस लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वित्त वर्ष 25-26 में समूह की कंपनियों

का संयुक्त राजस्व 2.92 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7.4 प्रतिशत अधिक है। वहीं कर पश्चात लाभ 13.9 प्रतिशत बढ़कर 46,377 करोड़ रुपये हो गया। भविष्य की चुनौतियों पर बात करते हुए गौतम अडानी ने कहा कि अब सबसे बड़ी चुनौती पूंजी जुटाना नहीं, बल्कि भारत की ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरतों को पूरा करने के लिए परियोजनाओं को तेजी से पूरा करना है। विशेष रूप से तब, जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विस्तार के कारण ऊर्जा-गहन डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग लगातार बढ़ रही है।

दूसरे लोग बहस में लगे रहे और समूह का निर्माण कार्यों पर रहा फोकस

अडानी ने कहा कि जहां दूसरे लोग बहस कर रहे थे, वहां उनका समूह निर्माण कार्यों में लगा रहा और ऊर्जा, परिवहन, लॉजिस्टिक्स, यूटिलिटीज तथा औद्योगिक विनिर्माण के क्षेत्रों में दुनिया के सबसे एकीकृत इंफ्रास्ट्रक्चर प्लेटफॉर्म के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करता रहा। उन्होंने कहा कि यह प्रगति आसान परिस्थितियों में नहीं हुई। समूह को अभूतपूर्व जांच और आलोचनाओं का सामना करना पड़ा, लेकिन उसने न झुकने और न रुकने का फैसला किया। उनके अनुसार, किसी भी संगठन की पहचान उसके आसपास के शोर से नहीं बल्कि उसकी प्रतिक्रिया की ताकत से होती है। अडानी ने अमेरिकी कानूनी मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन मामलों को अब पीछे छोड़ दिया गया है, जिससे समूह नए विश्वास के साथ आगे बढ़ सकता है।

25-26 के दौरान कंपनी का 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश

अडानी समूह ने बताया कि वित्त वर्ष 25-26 के दौरान उसने 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया, जो उसके इतिहास के सबसे बड़े वार्षिक पूंजीगत व्यय कार्यक्रमों में से एक है। यह निवेश अक्षय ऊर्जा, ट्रांसमिशन, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, डेटा सेंटरों और विनिर्माण गतिविधियों के विस्तार पर किया गया। समूह के अनुसार, अडानी ग्रीन एनर्जी ने वर्ष के दौरान 5.1 गीगावाट नई अक्षय ऊर्जा क्षमता जोड़ी, जिससे उसकी कुल परिचालन क्षमता 19 गीगावाट से अधिक हो गई। वहीं अडानी न्यू इंडस्ट्रीज ने 5 मेगावाट की ग्रीन हाइड्रोजन पायलट परियोजना शुरू की। अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस का ट्रांसमिशन ऑर्डर बुक बढ़कर 71,779 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वहीं अडानी पावर 2032 तक अपनी उत्पादन क्षमता 42 गीगावाट तक पहुंचाने के लिए 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक के विस्तार कार्यक्रम पर काम कर रही है। डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में समूह ने 2030 तक 2 गीगावाट क्षमता वाला डेटा सेंटर प्लेटफॉर्म विकसित करने की योजना बनाई है। इसी दिशा में विशाखापट्टनम में बड़े डेटा सेंटर प्रोजेक्ट के लिए गूगल के साथ समझौता ज्ञापन भी किया गया है। अडानी पोर्ट्स ने वर्ष के दौरान 50 करोड़ टन से अधिक कार्गो हैंडल किया।

समूह ने 2030 तक 2 गीगावाट क्षमता वाला डेटा सेंटर प्लेटफॉर्म विकसित करेगा

इंफ्रास्ट्रक्चर और इंटेलिजेंस के मेल से भविष्य की सबसे बड़ी विकास शक्ति होगी पैदा

अपने पत्र में अडानी ने कहा कि भविष्य की सबसे बड़ी विकास शक्ति दो क्षेत्रों के मेल से पैदा होगी- इंफ्रास्ट्रक्चर और इंटेलिजेंस (एआई)। उनका मानना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के तेजी से विस्तार के लिए बिजली उत्पादन, ट्रांसमिशन नेटवर्क, डेटा सेंटर और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क में भारी निवेश की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा एआई सोचने से पहले ऊर्जा का प्रवाह होना जरूरी है। उनके अनुसार भविष्य में तकनीकी नेतृत्व केवल सॉफ्टवेयर या डिजिटल नवाचार से नहीं बल्कि मजबूत भौतिक इंफ्रास्ट्रक्चर से तय होगा।

शहनाई व बांसुरी सम्राट पं. मोहन लाल को पुत्र शोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मशहूर शहनाई व बांसुरी सम्राट व आकाशवाणी से सेवानिवृत्त पं मोहन लाल कुंवर के पुत्र व उभरते हुए बांसुरी वादक दिपेन्द्र कुंवर का पिछले दिनो निधन हो गया। वह 38 वर्ष के थे। वह काफी समय से बीमार चल रहे थे। वह अपने पीछे माता-पिता, पत्नी व एक पुत्र व पुत्री छोड़ गए।

उनका अंतिम संस्कार लखनऊ के बैकुंठ धाम में व अस्थि विसर्जन वाराणसी के घाट पर संपन्न हुआ। उनकेत्रयोदशी व शांति पाठ का संस्कार उनके एल-1 66-67 विनीत खंड गोमती नगर आवास 3 जून को दोपहर में आयोजित किया जाएगा।

आरसीबी लगातार दूसरी बार चैंपियन

» वाशिंगटन सुंदर की अर्धशतकीय पारी पर भारी पड़े विराट के नाबाद 75 रन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। आरसीबी ने गुजरात को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल का खिताब अपने नाम कर लिया। इससे पहले टीम ने 2025 में पंजाब किंग्स को हराकर अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी जीती थी। रविवार को अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करनते हुए वाशिंगटन सुंदर की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में आठ विकेट पर 155 रन बनाए। 156 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत संतुलित रही।

गुजरात को पांच विकेट से हरा जीता फाइनल

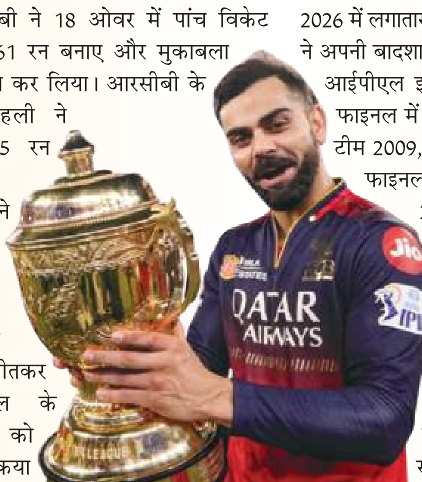

आरसीबी ने 18 ओवर में पांच विकेट खोकर 161 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। आरसीबी के लिए कोहली ने नाबाद 75 रन बनाये। आरसीबी ने 2025 में अपना पहला आईपीएल खिताब जीतकर 18 साल के इंतजार को खत्म किया था। इसके बाद 2026 में लगातार दूसरी बार ट्रॉफी जीतकर टीम ने अपनी बादशाहत कायम रखी। आरसीबी ने आईपीएल इतिहास में कुल पांचवीं बार फाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले टीम 2009, 2011, 2016 और 2025 में फाइनल खेल चुकी थी। हालांकि 2009, 2011 और 2016 में उसे हार का सामना करना पड़ा था। बता दें वेंकटेश और कोहली ने गुजरात के गेंदबाजों पर दबाव बनाया। और अर्धशतकीय साझेदारी की, लेकिन इसके बाद एक समय आरसीबी ने 91 के स्कोर पर चार विकेट गंवा दिए थे और लग रहा था कि यहां से गुजरात मैच फंसा सकती है, लेकिन सामने कोहली खड़े थे और उन्होंने गुजरात के गेंदबाजों का बेहतरीन तरीके से सामना किया।

वैभव सूर्यवंशी के नाम रही ऑरेंज कैप

अहमदाबाद। आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा अगर किसी चेहरे पर ध्यान केंद्रित रहा तो वह राजस्थान रॉयल्स के युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रहे। 15 साल की उम्र में वैभव ने अपने खेल से दुनियाभर के दिग्गज खिलाड़ियों को प्रभावित किया है। वहीं ऑरेंज कैप की दौड़ में वैभव सबसे आगे रहे। फाइनल से पहले गुजरात के कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन दौड़ में बने गुए थे, लेकिन खिताबी मुकाबले में दोनों ही बल्लेबाज सस्ते में आउट हुए और वैभव को इस दौड़ में पीछे नहीं छोड़ सके। 15 साल के वैभव ने इस सीजन दमदार बल्लेबाजी की और उनके आंकड़े तक कोई बल्लेबाज नहीं पहुंच सका। मौजूदा सीजन में तीन बल्लेबाजों ने 700 से अधिक रन बनाए। वैभव के अलावा गिल और सुदर्शन भी 700 से ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रहे। वैभव ने इस सीजन 16 मैचों में 237.30 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं। दूसरे नंबर पर गिल हैं जिन्होंने 16 मैचों में 163.02 के स्ट्राइक रेट से 732 रन बनाए हैं। वहीं, साई सुदर्शन ने 17 मैचों में 157.98 के स्ट्राइक रेट से 722 रन बनाए।

सीबीएसई ओएसएम पर मचा सियासी घमासान

विपक्ष ने शिक्षा मंत्रालय के काम पर उठाए सवाल, कांग्रेस ने कहा-ऑन-स्क्रीन मार्किंग में बड़ा तकनीकी घोटाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश परीक्षा प्रणाली में दिन पर दिन आ रही नाकामियों को लेकर पूरे देश में सामाजिक व राजनीतिक भूचाल आ गया। नेताप्रतिपक्ष व कांग्रेस नेता समेत पूरे विपक्ष ने इसको लेकर मोदी सरकार पर एकबार फिर हमला बोला है।

जिस तरह केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 12वीं कक्षा की ऑनलाइन मूल्यांकन प्रणाली–ऑन–स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) को लेकर उपजा विवाद अब एक बड़े राजनीतिक और तकनीकी घोटाले के रूप में तब्दील होता जा रहा है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर सरकार और सीबीएसई पर अपने हमले तेज कर दिए हैं।

आंसर शीट को पेशेवर रोबोटिक स्कैनर के बजाय सामान्य मोबाइल फोन से स्कैन किया गया : राहुल

राहुल गांधी ने बोर्ड की निविदा (टेंडर) प्रक्रिया में गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए दावा किया है कि छात्रों की भविष्य तय करने वाली उत्तर पुस्तिकाओं (आंसर शीट) को पेशेवर रोबोटिक स्कैनर के बजाय सामान्य मोबाइल फोन से स्कैन किया गया था, जिससे लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर लग गया है। सीबीएसई की पहली डिजिटल मूल्यांकन प्रक्रिया को लेकर हुए विवाद का चेहरा बने छात्रों के साथ बातचीत करने के बाद, गांधी ने अब छात्र शोधकर्ता सार्थक सिद्धांत द्वारा उठाई गई चिंताओं को और ज़ोरदार तरीके से उठाया है। सार्थक की दस्तावेज़-आधारित जाँच ने इस बात का खुलासा किया था कि बोर्ड ने ऑनलाइन मार्किंग पोर्टल का कॉन्ट्रैक्ट कैसे दिया था।एक्स पर एक पोस्ट में, कांग्रेस नेता व नेता प्रतिपक्ष आंसर शीट को डिजिटाइज़ करने के लिए जिम्मेदार निजी वेंडर, कंप्यूटर एडु टेकर पर आरोप लगाया कि उसने टेंडर प्रक्रिया के दौरान मुख्य तकनीकी ज़रूरतों में ढील दिए जाने के बाद, असली आंसर शीट को स्कैन करने के लिए मोबाइल फ़ोन का इस्तेमाल किया। गांधी ने लिखा, सीबीएसई के मई 25 के टेंडर में यह शर्त थी कि आंसर शीट को ऑटोमैटिक रोबोटिक स्कैनर से स्कैन किया जाएगा, उनकी बाइंडिंग (स्पाइन) सुरक्षित रहेगी, और कम से कम 30 यूपीआई रिज़ॉल्यूशन होगा। अगस्त में दोबारा जारी किए गए टेंडर में चुपचाप ये सारी शर्तें हटा दी गईं।

नेता प्रतिपक्ष ने सीबीएसई को जेबकतरा बताया

राहुल गांधी ने सीबीएसई को जेबकतरा तक बता दिया है। वहीं इसे छात्रों के साथ अन्याय बताया है। उन्होंने सीबीएसई द्वारा ली जा रही फीस को लेकर हिसाब-किताब भी बताया है। उन्होंने कहा कि जब स्कैनिंग फोन से हुई हो, गलत मार्किंग तय है। और उसे ठीक करवाने की कीमत बच्चा भर रहा है। राहुल गांधी ने अपने एक्स हैंडल पर लिखते हुए कहा कि जेबकतरों से सावधान, आज वो ष्टक्चस्श्व के अंदर बैठे हैं। ष्टक्चस्श्व की गलती से नंबर गलत आए तो आपको क्या मिलता है? एक बिल जिसमें डिजिटल स्कैन कॉपी का 100 रुपये पर सब्जेक्ट लगता है। वहीं री टोटलिंग के प्रति पेपर लगता है। इसके अलावा पुनर्मूल्यांकन के 25 रुपये प्रति सवाल लगते हैं। वहीं, अपनी ही आंसर सीट की सही जांच के लिए एक बच्चे को 2हजार तक भरने पड़ सकते हैं। सोचिए, जब 4 लाख बच्चों ने ऐसे आवेदन डालें हैं तो सीबीएसई कितनी कमाई कर रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि जब शिक्षा को सेवा नहीं, कारोबार बना दिया जाए तब गलती सुधारी नहीं जाती। बढ़ाई जाती है। और इसकी सबसे बड़ी कीमत हमारे बच्चे चुका रहे हैं - अपने समय से, अपने आत्मविश्वास से, और अपने भविष्य से।

एथिकल हैकर निसर्ग अधिकारी के आरोप

ये ताज़ा आरोप 19 साल के एथिकल हैकर निसर्ग अधिकारी के सोशल मीडिया पोस्ट से सामने आए हैं, जिन्होंने पोर्टल में और भी कई कमियों को उजागर किया है। निसर्ग ने स्कैन की गई आंसर शीट की कॉपी के स्क्रीनशॉट शेयर किए और दावा किया कि सिक्योरिटी के उपायों को बाइपास किया जा सकता है, जिससे इंटरनेट पर कोई भी आंसर शीट के स्कैन को एक्सेस और डाउनलोड कर सकता है। ऑनलाइन शेयर की गई तस्वीरों की जांच करते हुए, सार्थक सिद्धांत ने एक और गड़बड़ी की ओर इशारा किया। उन्होंने कई स्कैन की गई आंसर शीट पर साफ़ तौर पर ड्रॉप शैडो (परछाई) और मोड़ने के निशान देखे।जिन लोगों को इस बारे में जानकारी नहीं है, उनके लिए बता दें कि ड्रॉप शैडो आमतौर पर उन तस्वीरों या स्कैन में दिखाई देते हैं जिन्हें हाथ में पकड़े जाने वाले मोबाइल डिवाइस से खींचा या स्कैन किया जाता है, न कि फ्लैटबेड या ऑटोमेटेड स्कैनर से। चूंकि ये कॉपियां अब पब्लिक के सामने हैं, तो क्या आप यह बताने की कृपा करेंगे कि स्कैनर से स्कैन करने पर किन कॉपियों में ड्रॉप शैडो आता है? और ये 3 मोड़ के निशान? क्या आपने सच में स्कैनर का इस्तेमाल किया था? सार्थक नेएक्स पर लिखा।

आंसर शीट के डिजिटलीकरण का ठेका देते समय पात्रता से जुड़े कुछ अहम नियमों में दी ढील

इसी बीच, एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ- पता चला कि सीबीएस ने आंसर शीट के डिजिटलीकरण का ठेका देते समय पात्रता से जुड़े कुछ अहम नियमों में ढील दी थी। सार्थक ने दावा किया कि उनकी जाँच से पता चला है कि मई में बोर्ड द्वारा जारी किए गए शुरुआती टेंडर और अगस्त में जारी किए गए उसके संशोधित संस्करण के बीच, कुछ तकनीकी और सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं को कमज़ोर कर दिया गया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर चुप क्यों

सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर चुप रहे, जबकि इसका असर लगभग 18.5 लाख छात्रों पर पड़ रहा है। उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफ़ा देने की अपनी माँग भी दोहराई।

बंगाल में शुभेंदु सरकार कैबिनेट का विस्तार, 35 मंत्रियों ने ली शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आज शुभेंदु सरकार कैबिनेट का पहला विस्तार हो गया है। मंत्रिमंडल के विस्तार के तहत 35 नए मंत्रियों ने कोलकाता के लोक भवन में शपथ ली। राज्यपाल आर एन रवि ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई, पिछले सप्ताह मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष ने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात कर 35 नए मंत्रियों के नामों को अंतिम रूप दिया था। लोकभवन में चल रहे शपथ ग्रहण में कुल 13 विधायकों ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली।

वहीं 19 नेताओं ने राज्य मंत्रियों के रूप में शपथ ली। इसके साथ ही 3 विधायकों ने राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार के रूप में शपथ ली। संभावना है कि नए मंत्रियों के विभागों की घोषणा भी आज ही की जाएगी, किन नेताओं को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा, इसे लेकर राजनीतिक गलियारों में काफी चर्चा है, लेकिन भाजपा नेतृत्व ने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। हालांकि सूत्रों के अनुसार कुछ नेताओं के नाम सामने आए हैं, जिन्हें शपथ ग्रहण के लिए फोन आया है। दीपक बर्मन, तापस रॉय डॉ. शंकर घोष, मनोज कुमार ओराव, अर्जुन सिंह, गौरी शंकर घोष स्वपन दासगुप्ता,जग्गन्नाथ चट्टोपाध्याय, कल्याण चक्रवर्ती,अजय पोद्दार, सारदवत मुखर्जी, दूध कुमार मंडल, अनुप कुमार दास कैबिनेट मंत्री बने जबकि जोएल मुर्मू, हरे कृष्ण बेरा, आनंदमय बर्मन, अशोक डिंडा, नदियार चंद बाउरी, विशाल लामा, शांतनु प्रमाणिक, मौमिता विश्वास मिश्रा, उमेश रे, पूर्णिमा चक्रवर्ती, कौशिक चौधरी, भास्कर भट्टाचार्य, दिबाकर घरामी, अमिया किस्कू, कलिता माझी, गार्गी दास घोष, बिराज विश्वास, दीपंकर जना, सुमना सरकार राज्यमंत्री बने। वहीं डॉ. इंद्रनील खान, मालती राव रॉय, राजेश महतो राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार बनाए गए।

बंगाल कैबिनेट में हो जाएंगे 41 सदस्य

35 नए मंत्रियों के शपथ लेने के बाद राज्य मंत्रिमंडल में कुल मंत्रियों की संख्या बढ़कर 41 हो जाएगी. इसके बाद भी तीन और मंत्रियों को शामिल करने की गुंजाइश रहेगी, क्योंकि किसी राज्य में मंत्रियों की अधिकतम संख्या विधानसभा की कुल सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत तक ही हो सकती है। गौरतलब है कि 9 मई को आजादी के बाद पश्चिम बंगाल की पहली भाजपा सरकार के छह मंत्रियों ने शपथ ली थी। इनमें मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के अलावा अग्निमित्रा पॉल, दिलीप घोष , निसिथ प्रमाणिक, अशोक कीर्तनिया और खुदीराम टुडू शामिल थे।

शिक्षा मंत्रालय के ऑफिस में आग ने बरपाया तांडव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के आईटीओ इलाके में स्थित स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) परिसर में शिक्षा मंत्रालय के कार्यालय की दूसरी मंजिल पर आग लग गयी। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि अग की घटना में किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि दिल्ली दमकल सेवा को सुबह करीब 9.37 बजे आग लगने की सूचना मिली, इसके बाद आग पर काबू पाने के लिये विभाग ने आठ दमकल गाड़ियों को तत्काल मौके पर भेजा। उन्होंने बताया कि इमरत में लगी आग को बुझाने का काम जारी है। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

नीट परीक्षा ऑनलाइन कराने वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से 'सुप्रीम' इनकार

» 21 जून को फिर से होने वाली है नीट परीक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 26 की नीट परीक्षा को कंप्यूटर आधारित मोड में आयोजित करने की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। यह याचिका आज जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और अरविंद कुमार की आंशिक कार्यदिवस वाली बेंच के समक्ष पेश की गई।

कोर्ट ने मामले को छुट्टियों के बाद सूचीबद्ध किया है। जस्टिस नरसिम्हा ने टिप्पणी की वे परीक्षा को दोबारा आयोजित कर रहे हैं। उन पर कितना दबाव है! हम छुट्टियों के बाद इस पर चर्चा करेंगे। एनटीए ने नीट यूजी 26 की पुनर्परीक्षा 21 जून को फिर से आयोजित करने की घोषणा की है। वहीं, 3 मई को आयोजित होने वाली परीक्षा पेपर लीक के कारण रद्द कर दी गई थी और सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है। री–एग्जाम के लिए एडमिट कार्ड एनटीए द्वारा 14 जून तक जारी कर दिया जाएगा। वहीं, परीक्षा के बाद अनंतिम उत्तर कुंजी 24 जून 26 तक जारी होने की उम्मीद है।

पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर बढ़ा

अमेरिका ने ईरान पर मिसाइलें दागी, ईरान ने भी दिया करारा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। अमेरिका ने ईरान पर मिसाइलें दागी हैं। वहीं ईरान में राष्ट्रपति पेजेश्कियन के इस्तीफे को लेकर विवाद हो रहा है। ईरान के सरकारी चैनल पर जारी बयान में इस्तीफे का खंडन किया गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक तेहरान में हुए बवाल में कई लोग घायल हुए हैं। आक्रोशित जनता सड़कों पर उतर आई है। अमेरिका ने आरोप लगाया है कि हिजबुल्ला, इस्राइल के साथ युद्धविराम की कोशिशों को कमजोर कर रहा है। अमेरिका का कहना है कि यह समूह हमले

रोकने से इनकार कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने हाल ही में लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की। यह बातचीत इस्राइल और लेबनान के बीच चल रहे कूटनीतिक प्रयासों का हिस्सा थी। एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, इस बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिका ने एक साफ योजना दी। जिसके तहत पहले हिजबुल्ला को इस्राइल पर सभी हमले रोकने होंगे। इसके बदले में इस्राइल भी बेरूत में किसी तरह की और सैन्य कार्रवाई नहीं करेगा। इससे धीरे–धीरे तनाव कम करने और लड़ाई खत्म करने का रास्ता बनेगा।

अमेरिकी हमले के जवाब में किया पलटवार : ईरान

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने बताया है कि अमेरिकी हमले के जवाब में उन्होंने भी अमेरिका के उन एयरबेस को निशाना बनाया है, जहां से ईरान पर हवाई हमले किए गए। हालांकि आईआरजीसी ने इस मामले में ज्यादा जानकारी नहीं दी।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार** : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष** : 0522- 4078371 | **Email** : daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**